ओ३म्

गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त

(मान्यता कोड 531166, विद्यालय संख्या 41144)

परमपूज्य योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की प्रेरणा से संचालित

प्रकृति की सुरम्य गोद में स्थित

प्राचीन व अर्वाचीन शिक्षा तथा

वैदिक संस्कृति व संस्कारों का

अनुपम शिक्षण–संस्थान

उद्देश्य एवं नियमावली

सत्र 2024–25

गुरुकुल किशनगढ़–घासेड़ा, पोस्ट बीकानेर, जिला रेवाड़ी–123401 (हरियाणा)

मो. नं. 08222889112, 09416347551, 08222889104

वैब साईट : www.gurukulrewari.com   ईमेल : gkgrewari@gmail.com

विषय सूची

क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	गुरुकुल का संक्षिप्त परिचय	3
2.	गुरुकुल के प्रमुख अधिकारीगण	3
3.	गुरुकुलीय विशेषताएँ	4
4.	पाठ्यक्रम	6
5.	परीक्षा-व्यवस्था	6
6.	वार्षिकोत्सव	6
7.	अवकाश-व्यवस्था	6
8.	प्रेरक प्रतियोगिताएँ	6
9.	प्रवेश सम्बन्धी नियम	7
10.	प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज	7
11.	वार्षिक शुल्क व्यय विवरण व्यवस्था	8
12.	गुरुकुलीय गणवेश व अन्य आवश्यक वस्तुओं की सूचि	9
13.	दिनचर्या-प्रकरण	9
14.	विद्यार्थी का निष्कासन	10
15.	पुनः प्रवेश	10
16.	विद्यार्थियों एवं अभिभावकों हेतु नियमावली	10
17.	गुरुकुल पहुँचने का सांकेतिक मार्ग	12
18.	गुरुकुल वार्षिक गतिविधियाँ	13
19.	प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम	14-19

ओउम्

गुरुकुल किशनगढ़-घासेड़ा

गुरुकुल का संक्षिप्त परिचय

'वीरभूमि हरियाणा' राज्य के रेवाड़ी नगर से लगभग 10 किमी० दूर प्रकृति की नैसर्गिक व रमणीक गोद में 20 एकड़ भूमि पर स्थापित गुरुकुल किशनगढ़–घासेड़ा विश्व में भारतीय सभ्यता, संस्कृति के धवल–कीर्ति ध्वजवाहक, आयुर्वेदाचार्य, वेदाचार्य, वैयाकरणी, परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के दिव्य व पुनीत संरक्षण में तीव्र गति से उन्नति की ओर अग्रसर है। यह गुरुकुल किशनगढ़ और घासेड़ा ग्रामों के धार्मिक, संस्कृत व संस्कृतिभक्त, दानी महानुभावों द्वारा प्रदत्त 20 एकड़ भूमि में अवस्थित है। इसकी स्थापना 14 जनवरी, 1979 को मकर–संक्रान्ति के पावन अवसर पर महाशय हीरालाल आर्य जी के प्रयास से हुई। तत्पश्चात् सन् 1989 से गुरुकुल का संचालन करने वाले तपोनिष्ठ, वेद व वैदिक संस्कृति के प्रति सर्वात्मना समर्पित स्वर्गीय महात्मा धर्मवीर जी महाराज व गुरुकुल की कार्यकारिणी समिति ने सन् 2002 को श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, वीतराग परम पूज्य श्रद्धेय आचार्य श्री बलदेव जी महाराज के पट्ट शिष्य, योगर्षि परम श्रद्धेय स्वामी रामदेव जी महाराज के दिव्य–पावन कर कमलों में गुरुकुल का सम्पूर्ण संचालन व संरक्षण व्यवस्था सौंप, इस पुनीत यज्ञ की एक चिर संचित बृहत् आहुति प्रदान की। तब से यह गुरुकुल हर क्षेत्र मे दिन–दूनी और रात चौगुनी उन्नति कर रहा है। इस समय गुरुकुल में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, बिहार, गुजरात, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, दिल्ली, यू०पी०, नेपाल, पं0 बंगाल आदि 15 राज्यों के छात्र भी अध्ययनरत हैं।

गुरुकुल के प्रमुख अधिकारीगण

प्रेरणास्रोत	–	परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज।
संचालक	–	आचार्यकुल शिक्षण संस्थान (रजि०) कनखल, हरिद्वार
परामर्श एवं आशीर्वाद प्रदाता	–	श्रद्धेय आचार्य श्री बालकृष्ण जी महाराज, (विश्वप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य, महामन्त्री, दिव्य योग मन्दिर ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार), आदरणीय श्रीयुत् डॉ० यशदेव शास्त्री जी, हरिद्वार।
अध्यक्ष	–	श्री सामवेद जी।
प्राचार्य	–	श्री सत्यव्रत शास्त्री।

गुरुकुलीय विशेषताएँ

- **शुद्ध, शान्त व नैसर्गिक परिवेश :** आपका यह गुरुकुल सभी प्रकार के प्रदूषण व कोलाहल से मुक्त प्रकृति के पवित्र व सुरम्य गोद में स्थित है। यहाँ ब्रह्मचारी सभी प्रकार की चिन्ताओं व समस्याओं से दूर रहकर सौहार्दपूर्ण परिवेश में अपना सर्वांगीण विकास कर सकता है।
- **उन्नत शिक्षा, संस्कृत, संस्कृति व संस्कार :** गुरुकुल में प्राचीन व आधुनिक शिक्षा का समयानुकूल समन्वय करके विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास कराने का पूर्ण प्रयत्न किया जाता है। यहाँ संस्कृत धर्म–शिक्षा, सन्ध्या–यज्ञ, प्रवचनादि के माध्यम से विद्यार्थी में जहाँ एक ओर श्रेष्ठतम भारतीय संस्कार दिये जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, स्मार्ट कक्षा कक्ष, कम्प्यूटरादि की शिक्षा के द्वारा उन्हें वर्तमान समाज में स्वावलम्बी, सम्मानित व सम्पन्न जीवन जीने के योग्य भी बनाया जाता है। हमारा पूर्ण प्रयास है कि हमारा विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठतमी तथा ज्येष्ठतमी, सभ्यता–संस्कृति के प्रति निष्ठा व गौरवबोध से युक्त होकर विकास के चरम सौपान को प्राप्त कर सके।
- **योग्य समर्पित व निष्ठावान आचार्यगण :** अर्थ व स्वार्थ प्रधान इस युग में हम सगर्व व सहर्ष घोषित करते हैं कि हमारे अध्यापक व व्यवस्थापक बन्धु अत्यन्त योग्य, कार्य–कुशल, शिक्षा–प्रेमी, समाज, राष्ट्र, संस्कृति व मानवता के प्रति सर्वात्मना समर्पित हैं। सभी अपने–अपने विषयों के मर्मज्ञ व गवेषक हैं। अतः निश्चित रूप से हम मानव–निर्माण के इस पुनीत कार्य में अवश्य ही सफल होंगे।
- **वसुधैव कुटुम्बकम् :** इस वैदिक उदात्त भावना के अनुरूप ब्रह्मचारियों का संरक्षण व संवर्द्धन जाति (वर्ग), भाषा, प्रान्त, मत आदि के भेदभाव के बिना किया जाता है। विद्यार्थियों में परस्पर प्रेम, सहयोग, सामंजस्य, शिष्टाचार, सौम्यता आदि मानवीय गुणों का विकास कराया जाता है। इसके साथ–साथ उनमें अपनी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्र व मानवता के प्रति निष्ठा व कर्त्तव्य–भाव भी विकसित करने का प्रयास किया जाता है।
- **गुरू–शिष्य परम्परा :** गुरुकुलीय परम्परा के अनुसार यहाँ आचार्य और विद्यार्थी के बीच गुरू–शिष्य का पवित्र व आत्मीय सम्बन्ध है। गुरुकुल अर्थात् गुरु का परिवार जिसमें गुरूजन शिष्य को माता–पिता के समान स्नेह देते हुए उनके कल्याण के लिए सर्वदा तथा सर्वथा प्रयत्नशील रहते हैं। ब्रह्मचारीगण भी उन्हें पूरा सम्मान देते हैं। आज स्कूल–कॉलेजों में टीचर–स्टुडेण्ट के बीच बद से बदतर होते जा रहे सम्बन्धों के लिए गुरुकुलीय परम्परा अनुकरणीय है।
- **सेवा–प्रकल्प :** विद्यार्थियों में सेवा–भाव, कार्य–कुशलता, कर्मठता और स्वावलम्बनादि गुणों के विकास हेतु गुरुकुल में आधे घण्टे का सेवा–कार्य भी रखा गया है। इसमें विद्यार्थी, सफाई, बागवानी आदि विविध कार्यों को करते हैं।
- **शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुसार भोजन :** यहाँ गुरुकुल में विद्यार्थियों को शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुकूल भोजन दिया जाता है। गुरूकुल की अपनी गोशाला से शुद्ध दूध, खेतों से सब्जी, फलादि भी प्राप्त होता है। विविध पर्वों व विशिष्ट अवसरों पर विशेष भोजन तथा समय–समय पर फलाहार की भी व्यवस्था है।

- **आवासीय व्यवस्था :** यहाँ विद्यार्थियों के निवास हेतु वातानुकूलित (A.C) सुविधाओं से युक्त छात्रावास है। जिसमें छात्रों को योग्यतानुसार पृथक–पृथक छात्रावास में रखा जाता है।
- **योगासन, प्राणायाम, ध्यानादि का अभ्यास :** यहाँ विद्यार्थियों को प्रतिदिन आसन, प्रायाणाम ध्यानादि का अभ्यास करवाया जाता है। जिससे विद्यार्थी शारीरिक, मानसिक व आत्मिक रूप से सुदृढ़ होकर भौतिक व आध्यात्मिक दृष्टि से अपना सुखद व सफल जीवन यापन कर समाज को भी लाभान्वित कर सकें।
- **चिकित्सा–व्यवस्था :** गुरुकुल में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था के साथ अस्वस्थ विद्यार्थियों हेतु रेवाड़ी में वैद्य व पतंजलि औषधालय की भी व्यवस्था है।
- **कम्प्यूटर–शिक्षा व विज्ञान–प्रयोगशाला :** इस समय गुरुकुल में कम्प्यूटर, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भूगोल की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थीगण आचार्य जी के निरीक्षण व निर्देशन में प्रयोग करते हैं।
- **संगीत शिक्षा** : गुरुकुल में विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं हेतु छात्रों को विशेष संगीत शिक्षा भी प्रदान की जाती है।
- **पुस्तकालय तथा वाचनालय :** गुरुकुल में प्राचीन वैदिक आर्ष साहित्य, आधुनिक साहित्यों से सुसज्जित एक पुस्तकालय तथा वाचनालय भी है। जहाँ विद्यार्थी स्वाध्याय के द्वारा अपना ज्ञान–विज्ञान बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त विविध समाचार–पत्र व पत्रिकायें भी मँगवाई जाती हैं।
- **शैक्षणिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक–प्रौद्योगिकी स्थलों का परिदर्शन :** विद्यार्थियों में ज्ञान–वर्द्धन व अपनी सभ्यता–संस्कृति इतिहास आदि का ज्ञान, निष्ठा व गौरव–भाव भरने के उद्देश्य से विविध धार्मिक, शैक्षणिक, ऐतिहासिक, प्रौद्योगिकी सम्बन्धी स्थानों का परिभ्रमण भी कराया जाता है।
- **कौशलवर्धिनी व वाग्वर्धिनी सभा :** छात्रों के अन्दर वैदिक चेतना को जगाने तथा निर्भीक व सही ढंग से विचारों की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मासिकी तथा विविध पर्व, महापुरुषों के जन्म व निर्वाण दिवस आदि अवसरों पर सभा आयोजित की जाती है।
- **सामाजिक, राष्ट्रीय उत्सवों व वैदिक संस्कारों का ज्ञान :** गुरुकुल में होली, दीपावली, मकर–संक्रान्ति, श्रावणी (रक्षा–बन्धन) आदि को विशुद्ध वैदिक स्वरूप से मनाते हैं तथा छात्रों को जन्म, नामकरण, उपनयन, आदि संस्कारों का भी व्यवहारिक ज्ञान कराया जाता है।
- **साधु–संतों, विद्वानों आदि प्रबुद्ध जनों द्वारा मार्ग–दर्शन :** परम पूज्य श्रद्धेय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज की असीम कृपा से गुरुकुल में साधु–सन्तों, विद्वानों, प्रशासनिक अधिकारियों आदि प्रबुद्ध जनों का प्रायः आगमन होता रहता है। अतः उनका मार्ग–दर्शन भी समय–समय पर विद्यार्थियों को मिलता रहता है।
- **वस्तु भण्डार :** गुरुकुल में वस्तु–भण्डार भी है, जहाँ से छात्रों को आवश्यक वस्तुयें उचित मूल्य पर दी जाती हैं।
- **प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी :** छात्रों के शैक्षिक उन्नयन के लिए अतिरिक्त प्रतियोगी कक्षाएं लगाई जाती है

पाठ्यक्रम

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार।

परीक्षा-व्यवस्था

- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशानुसार।
- अनुशासन, स्वच्छता, आदि विषयों का भी ग्रेड के रूप में मूल्यांकन किया जायेगा।
- छात्र द्वारा किसी भी परीक्षा में अनुपस्थित होने पर पुनः परीक्षा नहीं ली जायेगी।
- किसी कारणवश परीक्षा में अनुपस्थित छात्र की परीक्षा लेना प्रधानाचार्य की कृपा पर निर्भर है।

गुरुकुल महोत्सव

गुरुकुल महोत्सव परम् पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज की आज्ञा से।

अवकाश–व्यवस्था

अवकाश – ग्रीष्मावकाश (26 मई से 26 जून 2024)
दीपावली अवकाश (फोन द्वारा सूचना)

नोट : *सत्र के मध्य में छात्र को 10 दिन का अतिरिक्त अवकाश दिया जाएगा। केवल परिवार में कोई अप्रिय घटना होने पर ही विचार किया जाएगा। शादी आदि कार्यक्रमों हेतु अभिवावक अवकाश हेतु दबाव न बनाएँ। उपर्युक्त इन सभी अवकाशों को लेने की बाध्यता नहीं है।*

विशेष – अवकाश अवधि समाप्त होते ही विद्यार्थियों को गुरुकुल में पहुँचना आवश्यक हैं। विलम्ब करने वाले विद्यार्थी को शुरू के 7 दिन, प्रतिदिन 100/- के हिसाब से दण्ड–शुल्क देना होगा। उसके बाद भी विलम्ब करने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। विशेष परिस्थिति में प्राचार्य की अनुमति से ही अवकाश बढ़ाया जा सकता है।

प्रेरक प्रतियोगिताएँ

- प्रत्येक वर्ष सत्र के दौरान विभिन्न खेल–कूद प्रतियोगिताओं के साथ प्रत्येक माह के अन्तिम दिवस को विभिन्न विषयों पर आधारित प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाता है तथा विजयी छात्रों को उत्साहवर्धन हेतु पारितोषिक प्रदान किया जाता है, जिससे अन्य छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

प्रवेश सम्बन्धी नियम

- गुरुकुल में सीटों की रिक्तता के आधार पर सामान्यतः 5वीं से 9वीं व 11वीं (Art & Science Stream) कक्षाओं में प्रवेश दिया जायेगा।
- प्रवेश–परीक्षा के लिए आवेदन–पत्र नियमावली के अन्त में संलग्न है। इसे भरकर व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में जमा करायें।
- आवेदन–पत्र के साथ छात्र के दो नवीन (New) फोटो, आधार कार्ड व जन्म प्रमाण–पत्र की फोटो कापी अवश्य संलग्न करें।
- **प्रवेश परीक्षा दो चरणों में होगी** :– लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् प्रवेश से पूर्व मौखिक परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।
- विद्यार्थी के अभिभावक शिक्षण सत्र के दौरान छात्र से मिलने के लिए स्वयं द्वारा सुनिश्चित पाँच लोगों की दो–दो फोटो, विद्यार्थी से सम्बन्ध, मोबाईल नं, निवास पता कार्यालय में अवश्य जमा करवाएँ। अन्यथा अपरिचित व्यक्ति के आने पर छात्र का मिलना सम्भव नहीं होगा।
- प्रवेश–परीक्षा के समय अनियमितता सिद्ध होने पर विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। उस स्थिति में किसी भी प्रकार की कोई राशि वापस नहीं की जायेगी।
- **प्रवेश–परीक्षा का कार्यक्रम निम्न प्रकार से है–**

04 फरवरी, 11 फरवरी को सुबह 9बजे से दोपहर 12 बजे तक

- लिखित प्रवेश–परीक्षा का परिणाम उसी दिन घोषित कर दिया जायेगा। विद्यार्थी लिखित व मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् 10 दिन के अन्दर प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेज (Documents)

1. **मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C.)**
2. **मूल MIS T.C. स्थानांतरण प्रमाण पत्र व फैमली आई0डी0**
3. **PEN (Permanent Education Numer by UDISE+)**
4. **जन्म प्रमाण–पत्र की छाया प्रति (फोटो कापी)**
5. **आधार कार्ड की छाया प्रति (फोटो कापी)**
6. **छात्र व अभिभावक के 2–2 नवीन फोटो**
7. **गत कक्षा के रिपोर्ट कार्ड की छाया प्रति (फोटो कापी)**

वार्षिक शुल्क विवरण व्यवस्था

गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली में आवासीय व्यवस्था होने के कारण पाठ्येतर, छात्रावास, भोजन, बिजली, आदि अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्थाओं का व्यय–भार अभिभावक को ही वहन करना पड़ता है। अतः निर्धारित शुल्क दिए गए समयानुसार अवश्य जमा करवायें।

वार्षिक व्यय-विवरण

नोट - सभी नवीन छात्रों हेतु 3000 रू0 प्रवेश पंजीकरण शुल्क देय होगा।

- **कक्षा 5 – हेतु वार्षिक प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,00,000रु०**
  प्रथम किश्त = 53,000 रु0 प्रवेश के समय
  द्वितीय किश्त = 35,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 12,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 6 – हेतु वार्षिक प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,03,000रु०**
  प्रथम किश्त = 53,000 रु0 प्रवेश के समय
  द्वितीय किश्त = 35,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 15,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 7 – हेतु वार्षिक प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,06,000 रु०**
  प्रथम किश्त = 53000 रु0 प्रवेश के समय
  द्वितीय किश्त = 35,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 18,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 8 – हेतु वार्षिक प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,09,000 रु०**
  प्रथम किश्त = 53,000 रु० प्रवेश पंजीकरण करवाते समय तथा
  द्वितीय किश्त = 40,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 16,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 9 – हेतु वार्षिक प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,12,000 रु०**
  प्रथम किश्त = 63,000 रु० प्रवेश पंजीकरण करवाते समय तथा
  द्वितीय किश्त = 35,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 14,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 10 – हेतु वार्षिक छात्रावास शुल्क = 1,12,000 रु०**
  प्रथम किश्त = 63,000 रु० अप्रैल माह
  द्वितीय किश्त = 35,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 14,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 11 – कला संकाय प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,20,000 रु**
  प्रथम किश्त = 65,000 रु० प्रवेश पंजीकरण करवाते समय तथा
  द्वितीय किश्त = 40,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 15,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 11 – विज्ञान संकाय प्रवेश व छात्रावास शुल्क = 1,25,000 रु**
  प्रथम किश्त = 65,000 रु० प्रवेश पंजीकरण करवाते समय तथा
  द्वितीय किश्त = 40,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 20,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 12 – कला संकाय छात्रावास शुल्क = 1,20,000 रु**
  प्रथम किश्त = 65,000 रु० अप्रैल माह
  द्वितीय किश्त = 40,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 15,000 रु0 दिसम्बर माह

- **कक्षा 12 – विज्ञान संकाय छात्रावास शुल्क = 1,25,000 रु**
  प्रथम किश्त = 65,000 रु० अप्रैल माह
  द्वितीय किश्त = 40,000 रु० अगस्त माह
  तृतीय किश्त = 20,000 रु0 दिसम्बर माह

नोट :– कक्षा 9 से 12 के सभी छात्रों का बोर्ड पंजीकरण व परीक्षा शुल्क, बोर्ड के अनुसार अभिभावकों को अलग से जमा करवाना होगा।

नोट :– गुरुकुल में प्रवेश लेने के उपरान्त यदि छात्र किसी भी परिस्थिति में गुरुकुल छोड़ कर जाता है, तो छात्रावास शुल्क में से 1 अप्रैल से नामांकन निरस्त करवाने की तिथि तक प्रतिदिन की दर से राशि काट कर केवल छत्रावास शुल्क ही वापस किया जाएगा। विकास शुल्क व प्रवेश शुल्क (15000रू0) राशि देय नहीं होगी।

- **छात्र के व्यक्तिगत खर्च के रूप में प्रवेश के समय कम से कम 15000/– रू० छात्र की धरोहर राशि के रूप में जमा करवाने होगें, ताकि छात्र को समय पर पुस्तकें, स्टेशनरी व आवश्यक वस्तुएँ प्राप्त हो सकें।**

गुरुकुलीय गणवेश व अन्य आवश्यक वस्तुओं की सूची

गुरुकुल में विद्यार्थी के पास गुरुकुल द्वारा निर्धारित वस्तुएँ ही होनी चाहिए। सभी वस्तुओं पर विद्यार्थी का नाम व Admission Number तथा गुरुकुल द्वारा दिया गया अनुक्रमांक (Roll No.) लिखवाना अनिवार्य है। विद्यार्थियों के लिए ऋतु अनुकूल बिस्तरादि की व्यवस्था अभिभावक स्वयं करें।

नोट – गुरुकुल छात्रावास व विद्यालय में एक निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार सभी आवश्यक वस्तुएँ जैसे – कुर्ता–पायजामा, जूते, मोजा, रूमाल, स्वेटर , टी–शर्ट, तौलिया, लंगोट, कच्छा, ट्रैकशूट, लोवर, चद्दर, गर्म लोई, बर्तन, तेल, साबुन, पेस्ट, मंजन, ब्रुश, बैग, पुस्तकें व स्टेशनरी **आदि की व्यवस्था गुरुकुल स्वयं करेगा लेकिन इसका सम्पूर्ण खर्च अभिभावक द्वारा जमा करवाई गई धरोहर राशि के माध्यम से होगा।**

दिनचर्या-प्रकरण

गुरुकुलीय परम्परा में विद्यार्थी को गुरुकुल में ही आचार्यों के संरक्षण में रहना पड़ता है। अतः यहाँ उनको नियमित व निश्चित दिनचर्या का पालन करना अनिवार्य है।

04 : 00	-	04 : 15	प्रातः जागरण-आत्म चिन्तन
04 : 15	-	05 : 30	शौचादि नित्य-कर्म
05 : 30	-	06 : 00	दौड़, व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि
06 : 00	-	06 : 25	स्नान
06 : 25	-	07 : 30	स्वाध्याय
07 : 30	-	08 : 00	यज्ञ
08 : 10	-	08 : 50	प्रातः राश
08 : 50	-	09 : 00	विद्यालय प्रार्थना
09 : 00	-	12 : 50	विद्यालय
12 : 50	-	01 : 50	भोजन + लघु विश्राम
01 : 50	-	03 : 20	विद्यालय
03 : 20	-	03 : 30	लघु विश्राम
03 : 30	-	04 : 20	स्वाध्याय
04 : 20	-	04 : 50	शौचादि
04 : 50	-	06 : 10	आसन, प्राणायाम, खेल, सेवा कार्य
06 : 10	-	06 : 30	स्नान
06 : 30	-	06 : 50	संध्या
06 : 50	-	07 : 30	भोजन तथा भ्रमण
07 : 30	-	08 : 50	स्वाध्याय
08 : 50	-	09 : 10	दुग्ध-वितरण मन्त्र पाठ, समाचार दर्शन
09 : 10	-	04 : 00	शयन

नोट - दिनचर्या ऋतु व परिस्थिति अनुसार परिवर्तनीय है।

विद्यार्थी का निष्कासन

- ग्रीष्मावकाश की समाप्ति के बाद भी 7 दिन तक बिना सूचना/अनुमति के अनुपस्थित रहने पर।
- सत्र के बीच में गुरुकुल छोड़ने पर।
- निर्धारित शुल्क नियत अवधि तक उपेक्षा शुल्क के साथ जमा न करवाने पर।
- गुरुकुल के नियमों का उल्लंघन, उद्ण्डता, अशोभनीय आचरणादि करने पर।
- गुरुकुल शिक्षा के समय में सगाई/विवाह करने पर।
- प्राचार्य की अनुमति के बिना गुरुकुल छोड़ने पर।

पुनः प्रवेश

- यदि किसी परिस्थितिवश नामांकन निरस्त हो जाता है, तो पुनः प्रवेश शिक्षा विभाग के नियमानुसार तथा प्राचार्य की आज्ञानुसार ही किया जायेगा।

अभिभावको हेतु निर्देश

- अवकाश पर केवल अभिभावक ही अपने बालक को आकर ले जायें तथा अवकाश की समाप्ति पर स्वयं बालक को गुरुकुल में छोड़ें। किसी भी अन्य अभिभावक के साथ बालक को सामान्य परिस्थिति में नही भेजा जाएगा।
- अभिभावक से अपेक्षा की जाती है कि गुरुकुल आगमन पर गुरुकुलीय संस्कृति के अनुरूप पोशाक पहन कर आये।
- छात्र को ले जाते समय मुख्य द्वार पञ्जिका में अपना नाम, पता, छात्र से सम्बन्ध व मोबाईल नं आदि अंकित अवश्य करें।
- अभिभावक अपने बच्चें के लिए केवल Keypad वाला मोबाईल Balance Recharge करवा कर हॉल वार्डन के पास जमा करा सकते है, तथा केवल मास के प्रथम व तृतीय रविवार को दोपहर 2 बजे से सांय 4 बजे तक ही छात्र से बात कर सकते है।
- अभिभावक कार्यालय के नम्बरों पर कोई भी आकस्मिक जानकारी हेतु प्रातः 8 से सांय 8 बजे तक फोन कर सकते है – **08222889112, 9416347551**
- सत्र के मध्य में छात्र का कोई भी आवश्यक प्रमाण–पत्र लेने के लिए कार्यालय को कम से कम 8 से 10 दिन पूर्व सूचित करें।
- अभिभावक केवल मास के प्रथम व तृतीय रविवार को छात्र के स्वयं के फोन पर छात्र से बात कर सकते है।
- असाध्य अथवा संक्रामक रोग होने की स्थिति में अभिभावक का विद्यार्थी की चिकित्सा स्वयं ही घर पर करवानी होगी।
- **निषिद्ध वस्तुएं** – जैसे पैसे, हाथ घड़ी, रेडियों, इलैक्ट्रोनिक उपकरण, अनावश्यक वस्त्र, खेल उपकरण, नमकीन (जंक फूड) आदि वस्तुएँ छात्र को न दे। उपर्युक्त वस्तुएँ पाये जाने की स्थिति में छात्र व अभिभावक दोनों जिम्मेवार होंगे तथा कार्यालय द्वारा दिया गया दण्ड स्वीकार्य होगा।
- अभिभावक खाद्य–पदार्थों में विद्यार्थी को केवल घी, फल, सूखे फल (काजू, किशमिश, बादाम आदि) ही दे सकते हैं।
- अपने बच्चे की विशेषताओं तथा कमजोरियों के बारे में कार्यालय को लिखित रूप में अवगत करायें।
- गुरुकुल से विद्यार्थी को घर ले जाते समय तथा अवकाशोपरान्त गुरुकुल लाते समय गुरूकुलीय वेश–भूषा ही पहनायें।
- गुरुकुल के निरन्तर सम्पर्क में रहें। "आचार्य–अभिभावक–अधिकारी बैठक" उत्सवादि कार्यक्रमों में अवश्य ही सम्मिलित होवें।
- अवकाश में विद्यार्थी को पूर्णतया स्वच्छन्द न छोड़ें। उसे गुरुकुलीय दिनचर्या जैसे–प्रातः 4:00 या 4:30 बजे उठाना, सन्ध्या, प्राणायाम, योगासन, आदि अवश्य करवायें।
- अवकाश में विद्यार्थी के मित्रों के स्वभाव, व्यवहारादि का ध्यान रखें। टी०वी०, विडियो–गेम, कम्प्यूटर–गेम आदि पर नियन्त्रण रखें। प्रतिदिन कुछ समय विद्यार्थी के साथ बितायें तथा खाली समय में अच्छी–अच्छी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
- गुरुकुल से सम्बन्धित किसी भी वाद–विवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र रेवाड़ी होगा।

वार्षिक गतिविधियाँ

सत्र 2024–2025

क्र.सं	दिनांक	गतिविधि
		अप्रैल – 2024
1	22-04-2024	पृथ्वी दिवस (Earth Day)
		मई – 2024
1	May, 2024	पीरियोडिक टैस्ट–1 (Periodic Test - 1)
2	25-05-2024	अभिभावक–शिक्षक संवाद (PTM)
		जुलाई – 2024
1	01-07-2024 to 07-07-2024	पौधारोपण सप्ताह (Plantation week)
2	31-07-2024	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)
		अगस्त – 2024
1	August, 2024	पीरियोडिक टैस्ट – 2 (Periodic Test - 2)
2	15-08-2024	स्वतंत्रता दिवस
3	16-08-2024	खेल दिवस
4	19-08-2024	उपनयन संस्कार
5	27-08-2024	छात्र चिकित्सा परीक्षण (Medical Checkup)
6	31-08-2023	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)
		सितम्बर – 2024
1	02-09-2024	यज्ञ दिवस
2	05-09-2024	शिक्षक दिवस
3	14-09-2024	हिन्दी दिवस
4	September, 2024	अर्द्धवार्षिक परीक्षा (Term -1, Exam.)
5	30-09-2024	योग प्रतियोगिता, कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)

नवम्बर – 2024

1	November, 2024	पीरियोडिक टैस्ट – 3 (Periodic Test - 3)
2	26-11-2024	संविधान दिवस
3	30-11-2024	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)

दिसम्बर – 2024

1	11-12-2024	एक भारत श्रेष्ठ भारत
2	December, 2024	पीरियोडिक टैस्ट – 4 (Periodic Test - 4)
3	31-12-2024	कौशलवर्धिनी प्रतियोगिता (I.Q. Challenge)

जनवरी – 2025

1	January, 2025	प्री–बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वी व 12वी (Pre-Board Exam. Class 10th, 12th)
2	24-01-2025 to 25-01-2025	स्कूली खेल–कूद दिवस

मार्च – 2025

1	March, 2025	वार्षिक परीक्षा
2	29-03-2025	वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित (Annual Result Declaration)

✵ *गुरुकुल मार्ग से अनभिज्ञ महानुभावों हेतु गुरूकुल पहुँचने का संकेत –*